ओ री चिड़िया, चुनमुन चिड़िया
तूने मुझे नींद से जगाया,
तूने मुझे उड़ना सिखाया
मुझे अच्छा लगा।

ओ रे भौंरे, काले भौंरे
तूने मुझे गाना सिखाया,
एक नयी धुन को बनाया
मुझे अच्छा लगा।

ओ री तितली, रंग-बिरंगी तितली
तूने मुझे रंग है बताया,
काँटों से बचना सिखाया
मुझे अच्छा लगा।

ओ री चींटी, छोटी चींटी
तूने मेहनत करना सिखाया,
गिर-गिर चढ़ना समझाया
मुझे अच्छा लगा।

नन्दी बहुगुणा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० रामपुर
टिहरी गढ़वाल
उत्तराखंड